For

Page 1

BA (Part I) Psychology (H)
General Psychology, Paper I

Q. Explain the meaning of perception.
प्रत्यक्षीकरण ~~की~~ का अर्थ या परिभाषा का वर्णन करें।

~~प्रत्य~~ प्रत्यक्षीकरण, व्यक्ति के मानसिक ज्ञान की प्रक्रिया को कहते हैं जिसका सम्बन्ध उन वस्तुओं, व्यक्तियों अथवा परिस्थितियों के ज्ञान से रहता है जो वर्तमान समय में व्यक्ति के सम्मुख उपस्थित रहता है।

मानसिक ज्ञानात्मक प्रक्रिया की प्रारम्भिक अवस्था को संवेदना और बाद की अवस्था को प्रत्यक्षीकरण कहते हैं।

प्रत्यक्षीकरण की क्रिया द्वारा व्यक्ति किसी उपस्थित वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति के प्रति ज्ञानात्मक प्रतिक्रिया करता है। प्रत्यक्षीकरण एक उपलब्धिकारी प्रक्रिया है प्रत्यक्षबोध जब उपस्थित उत्तेजनाओं का ही होता है अतः प्रत्यक्षीकरण में उत्तेजना का होना आवश्यक है। जब उत्तेजना ग्राहक-इन्द्रिय के सम्पर्क में आती है, इस प्रकार ग्राहक तंत्र में कुछ क्रिया होती है और उत्तेजना का प्रभाव मस्तिष्क के संवेदी क्षेत्र में पड़ता है जिससे संवेदना का आधार होता है। इस आधार पर के आगे भी कुछ मानसिक क्रिया होती है। बाद में ~~मानसिक क्रिया~~ होने वाली मानसिक क्रिया के परिणामस्वरूप उपस्थित उत्तेजना का प्रभाव मस्तिष्क के संवेदी क्षेत्र के अतिरिक्त साहचर्य क्षेत्र पर भी पड़ता है। साहचर्य क्षेत्र में मस्तिष्क की मे क्रियाएँ संगठित होती है। जिसके फलस्वरूप उत्तेजना के संवेदी विवरणों से प्राप्त ~~[illegible]~~ आभास मात्र अर्थ निश्चित एवं सार्थक ज्ञान के रूप में परिणत हो जाता है और इस प्रकार व्यक्ति को उपस्थित उत्तेजना के अर्थ एवं स्वरूप का बोध होता है इसे ही प्रत्यक्षीकरण कहते है। प्रत्यक्षीकरण की परिभाषा विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने ढंग से परिभाषित किया है।

सारेन, नार्थ, स्ट्रेंज एवं चैपमैन के अनुसार, प्रत्यक्षीकरण को कार्टेक्स को प्राप्त होने वाली संवेदी विवरणों से अर्थ लगाने की प्रक्रिया के रूप में दी जा सकती है। (Perception may

defined as the process by which sensory input (to the cortex) is interpreted.

मॉर्गन के अनुसार, संवेदी उत्तेजना और उसके बारे में ज्ञान प्राप्त करने के बीच में कार्य करने वाली मध्यवर्ती परिवर्त्यों के समूह को प्रत्यक्षीकरण कहते हैं।

Perception is the operation of a set of variables that intervene between sensory stimulation and awareness.

कागन एवं हैवमैन के अनुसार – प्रत्यक्षीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम वातावरण के संबंध में ज्ञान ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त सबूतों को संगठित और व्याख्या करके प्राप्त करते हैं।

Perception is the process through which we become aware of our environment by organising and interpreting the evidences of our senses.

गिब्सन के अनुसार – उत्तेजना से सूचनाओं को निकालने की प्रक्रियाओं को प्रत्यक्षीकरण कहते हैं – Perception is extracting information from stimulation.

कौलिन्स एवं ड्रेवर के अनुसार – प्रत्यक्षीकरण किसी वस्तु या परिस्थिति का तात्कालिक ज्ञान है जो किसी एक या सभी ज्ञानेन्द्रियों की संवेदना द्वारा प्रभावित करता है। The Perception is customarily used to refer to relatively complex receptor and neural

Psych.

~~Process which underlie our awareness of ourselves and our world.~~

Perception is the immediate apprehension of an object or situations affecting any or all of the sense organs by way of sensation.

मॉर्गन के अनुसार- प्रत्यक्षीकरण आमतौर पर ग्राहक स्नायु-संबंधी उच्च अपेक्षाकृत जटिल प्रक्रिया के लिए किया जाता है जो हमें अपने वातावरण के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में क्रियाशील रहता है।

The Term Perception is Customarily used to refer to relatively complex receptor and neural processes which underlie our awareness of ourselves and our world.

उपर्युक्त विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा दिये प्रत्यक्षीकरण की परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि मनोवैज्ञानिकों के विचारों में भिन्नता के बावजूद प्रत्यक्षीकरण की सभी विशेषताओं से सभी मनोवैज्ञानिक सहमत हैं।

By
Kumar Patu
Assistant professor
Maharaja College, Ara.